श्रीमती सुषमा स्वराज (उत्तरांचल): सर, आपने अनुमति दी है। ...(व्यवधान)...

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir my question is...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: आप बोलने दीजिए ...(व्यवधान)...आप बोलने दीजिए ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया (झारखंड): ये क्या चाह रहे हैं? ...(व्यवधान)...आप क्यों बोलने नहीं दे रहे हैं? ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, उन्होंने आपसे बोलने की अनुमति मांगी है और आपने अनुमति दी है। ...(व्यवधान)...सर, उन्होंने लिखकर अनुमति मांगी है। ...(व्यवधान)... ये रूलिंग पार्टी के चीफ व्हिप हैं। ...(व्यवधान)...इन्हें नियमों का पता नहीं है। ...(व्यवधान)...

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, the hon. Members are waiting to put their questions. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: आप बोलने दीजिए। मैं आपकी तरफ से गवर्नमैंट से पूछूंगा ...(व्यवधान)...

श्रीमति सुषमा स्वराज: उन्होंने लिखकर अनुमति मांगी है और आपने उन्हें बोलने की अनुमति दी है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)...

SHRI JASWANT SINGH: Sir, I have to submit, not simply to you, but indeed to the entire House, because I think the issues concerned here do transcend simply relative party functioning. If I cite the example of what treatment has been meted out to the Leader of the Opposition in the other House, who is not simply my colleague of very long standing but my respected the esteemed senior, there is a principle and an issue involved here. Blatantly you witnessed the partisanship in the case of a particular Italian, who is fraudulently running away from the country, and this very CBI providing all assistance in letting that fraudulent dealer of arms take away what is clearly irregular money.

And then in the case of the Leader of the Opposition, it is not the first time that it is happening. Sir, the second time, we have a situation in which officials of a particular Ministry in the Government of India asked the Central Bureau of Investigation, a series of questions and, then, asked the Director of CBI to explain in writing as to why, A, B, C, D or X steps were taken. I don't know if this is an ordinary matter; and if the Government were to treat this as an ordinary matter, then, I think there is something

else which is persuading the Government in this regard. I have said, Sir, that the Question Hour be suspended because I think the House has a right to know about this. Therefore, Sir, I urge you and the hon. Leader of the House, who is also the Prime Minister, who was very kind to say yesterday that he has no time; he doesn't want to waste time on the points which we in the opposition raise. But, notwithstanding that observation of his, we urge him to step down a step or two, to come down a step or two ...(*Interruptions*)...

डा॰ कुमकुम राय (बिहार): एक ही बात को कितनी बार कहा जाएगा सर? ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, आपकी अनुमति है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: एक बार ये खत्म कर लें। Let him speak, वे खत्म कर दें। ...(व्यवधान)... वे पहले खत्म कर दें, उसके बाद ...(व्यवधान)... खत्म करने दीजिए। ...(व्यवधान)...

प्रो॰ राम देव भंडारी (बिहार): अब तो क्वेश्चन आवर चलने दीजिए सर। ...(व्यवधान)... उन्होंने जो कहना था, कह दिया। ...(व्यवधान)... क्वेश्चन ऑवर चलने दीजिए। उन्होंने जो कहना था, कह दिया। ...(व्यवधान)...

श्री अरुण जेटली (गुजरात): सर, क्या आपने उनको अनुमति दी है कि वे विपक्ष के नेता को डिस्टर्ब करेंगे? ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)... आप एक मिनट बोलने दें तो क्या आपत्ति है? ...(व्यवधान)...

श्री बी॰ के॰ हरिप्रसाद (कर्णाटक): 6 साल तक ये लोग थे, इन्होंने क्या किया? ..(व्यवधान)...

श्री सभापति: गवर्नमेंट से मैं पूछूंगा ..(व्यवधान)... गवर्नमेंट से मैं जानकारी लूंगा ...(व्यवधान)...

श्री अरुण जेटली: यह क्वेश्चन ऑवर से ज्यादा जरूरी है। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: यह क्वेश्चन ऑवर को ही सस्पेंड करने का नोटिस है। उसी पर बोल रहे हैं। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बैठिए। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: क्वेश्चन ऑवर को ही सस्पेंड करने का नोटिस है जो रुल्स में है।

उसी नोटिस पर बोल रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... अनुमति लेकर बोल रहे हैं। आप लोग बिना अनुमति के डिस्टर्ब कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री संतोष बागड़ोदिया (राजस्थान): कल प्रधान मंत्री जी ने जवाब दिया। ...(**व्यवधान**)... आप लोगों ने वॉक आउट किया। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: अब आप बैठ जाइए न। ...(**व्यवधान**)... ये एक मिनट में खत्म कर देंगे। ...(**व्यवधान**)...

प्रो॰ राम देव भंडारी: कल प्रधान मंत्री जी ने जवाब दिया, आज क्यों चर्चा कर रहे हैं? वे तो उठकर चले गए थे। ...(**व्यवधान**)... वे तो वॉक आउट कर गए थे। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: क्यों नहीं बोलने देंगे? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: बैठ जाइए, बोलने दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: आप अनुमति दें, उसके बावजूद भी नहीं बोलने देंगे। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: आपकी अनुमति के बावजूद भी नहीं बोलने देंगे। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... ठीक है, हो गया। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: आप अनुमति दें, उसके बावजूद भी नहीं बोलने देंगे? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप तो बोलने दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: मैं तो बोलने दे रहा हूं। ...(**व्यवधान**)...

प्रो॰ राम देव भंडारी: कितनी देर बोलेंगे वे, वह कर ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: हां, वह कर देता हूं मैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: सारा दिया बोलेंगे। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप बैठिए तो सही। ...(**व्यवधान**)...

श्री विक्रम वर्मा (मध्य प्रदेश): चेयर को डायरेक्शन दे रहे हैं कि कितनी देर बोलेंगे? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: अब आप बैठिए। Please take your seat.

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: कल कॉम्प्लीमेंट मिला लालू यादव को, आपको नहीं मिला। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: वह सब हो सकता है। ...(**व्यवधान**)... मुझे तो बोलने दीजिए आप। ...(**व्यवधान**)... बैठिए। ...(**व्यवधान**)... देखिए, आप अच्छा नहीं कर रहे। ...(**व्यवधान**)... ये मत करिए आप। ...(**व्यवधान**)... वह ठीक है। ...(**व्यवधान**)... आप बोल देना बाद में। ...(**व्यवधान**)... आप बाद में बोल देना। Let him finish, let him finish.

SHRI JASWANT SINGH: Sir, I have specific demands, that I urge the Prime Minister to attend to and, with a sense of urgency. First of all, Sir, knowing that it is matter that involves his counterpart in the other House, the Leader of the Opposition, I believe, Sir, it is the function, the duty and the responsibility of the Prime Minister to explain the facts of the matter and we need to know the facts of the matter from the Prime Minister himself. (*Interruptions*) Sir, secondly, I need to know that on this very same issue, the hon. Defence Minister had said earlier that 'we do not interfere'. Now, this is in direct contravention of that assertion made in the House. Therefore, it is necessary that the Defence Minister comes and explains his conduct. Thirdly, Sir, we need to know that if Quattarochi can be given money and can be permitted to go free from India ...(*Interruptions*)... and, then, the Prime Minister says that "I don't know what is happening in my Government", then, it is another example of the Prime Minister saying, "I do not know what is happening." We also need to know, Sir, what and which Department is it that has sent this official instruction to the Director of Central Bureau of Investigation.

There are other aspects which I would urge and request you, Sir, to let my colleague, Mr. Arun Jaitley, to put across before the House. ...(*Interruptions*)...

श्री सभापति: मैं allow नहीं करूंगा। ...(**व्यवधान**)... मैं allow नहीं करूंगा। ...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्य, मैं किसी को allow नहीं कर रहा हूं। ...किसी को allow नहीं कर रहा हूं। गवर्नमेंट बोलना चाहे, तो बोल सकती है। ...(**व्यवधान**)... बैठ जाइए, पचौरी जी बोल रहे हैं... ये बोल रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... अभी नहीं ...(**व्यवधान**)... अभी लीडर ऑफ दि अपोजिशन ...(**व्यवधान**)... नहीं, नहीं, यह डिबेट का issue नहीं है। लीडर ऑफ दि अपोजिशन बोल चुके, उस पर गवर्नमेंट कुछ कहना चाहे तो कह सकती है। ...(**व्यवधान**)...

प्रो॰ राम देव भंडारी: सर, ये इसी की तैयारी कर रहे थे... ये लोग यही तैयारी कर रहे थे! ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: उनको बोलने दीजिए। ...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्य...माननीय सदस्य ... मेरी बात तो सुनिए। बात सुनिए मेरी। ...(**व्यवधान**)... लीडर ऑफ दि अपोजिशन के संबंध में प्राइम मिनिस्टर से बात ...(**व्यवधान**)...

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI SURESH PACHOURI): The Prime Minister is ready to respond...(*Interruptions*).

श्री सभापति: एक मिनट...मेरी बात तो सुनिए ...(**व्यवधान**)... Please go to your seats.... (*Interruptions*)... आप अपनी सीटों पर जाइए। माननीय सदस्य, अपनी सीट पर जाइए। ...(**व्यवधान**)... आप उधर जाइए। आप चाहते क्या हो? क्या चाहते हो? ...(**व्यवधान**)... यह नहीं होगा। मैं allow नहीं करूंगा। यह मैं allow नहीं करूंगा। इतना कर सकता हूं कि जो बात माननीय नेता ने कही है, उसके बारे में गवर्नमेंट का reaction क्या है, यह जान सकते हैं। गवर्नमेंट बोलेगी, प्राइम मिनिस्टर हैं, बोलेंगे। ...(**व्यवधान**)... आप चले जाइए। इस पर डिबेट नहीं होगी।

श्री सुरेश पचौरी: प्राइम मिनिस्टर बोलने के लिए तैयार हैं।

श्री सभापति: आप चले जाइए, मैं कह रहा हूं। देखिए, इस पर डिबेट नहीं होगी। जो कुछ लीडर ऑफ दि अपोजिशन ...(**व्यवधान**)... आप चुप रहिए। Please take your seats. What is this fun? ...(*Interruptions*)... माननीय सदस्य, अभी जो लीडर ऑफ दि अपोजिशन ने कहा है, उस पर मैं चाहूंगा कि प्रधान मंत्री जी स्पष्टीकरण दें। ...(**व्यवधान**)...

श्री बलबीर के॰ पुंज (उत्तर प्रदेश): नहीं, पहले अरुण जेटली साहब बोलेंगे। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: अरुण जेटली पहले नहीं बोलेंगे।...(**व्यवधान**)...मैं allow नहीं करूंगा ...(**व्यवधान**)... allow नहीं करूंगा। ...(**व्यवधान**)... आप क्या यह समझते हो कि well में आने के बाद मैं परमिशन दे दूंगा? परमिशन नहीं दूंगा, कोई परमिशन नहीं दूंगा। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मैंने इनको कह दिया है। ...(**व्यवधान**)... मतलब यह है कि क्या आप केवल वैल में आकर इस समस्या का समाधान चाहते हैं ...(**व्यवधान**)... एक मिनट आप चुप रहिए। ...(**व्यवधान**)... आप चुप रहिए। ...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्य यह अच्छा नहीं है। ... (**व्यवधान**)...

आप वैल को ताकत मत समझिए। ...(व्यवधान)... मैं बोलने का मौका तब दूंगा, जब सरकारी पक्ष क्या कहता है, आप उसको सुन लें। ...(व्यवधान)...प्राइम मिनिस्टर बोल रहे हैं। ...(व्यवधान)...प्राइम मिनिस्टर बोल रहे हैं। ...(व्यवधान)... मैं एलाऊ नही करूंगा। ...(व्यवधान)...

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, you have allowed the Leader of the Opposition. ...(*Interruptions*)... Please allow the Prime Minister now. ...(*Interruptions*)... They should listen to the Prime Minister also. ...(*Interruptions*)...

श्री सभापति: इस पर डिबेट नहीं होगी। ...(व्यवधान)...आप पहले गवर्नमेंट को सुन लें कि गवर्नमेंट क्या कहती है? ...(व्यवधान)... अगर उस पर जरूरत होगी तो ...(व्यवधान)...मैंने लीडर आफ दि अपोजिशन की बात सुन ली है, ...(व्यवधान)... शांति से सुन ली है। ...(व्यवधान)... अरे, आप क्यों बोल रहे हो? ...(व्यवधान)... लीडर ऑफ दि अपोजिशन की बात शांति से सुन ली है। ...(व्यवधान)... शांति से सुन ली है। ...(व्यवधान)...लीडर आफ दि अपोजिशन ने जो कुछ कहा है, उस पर प्राइम मिनिस्टर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करने को तैयार है, सुन लीजिए। ...(व्यवधान)...यह बात केवल अरूण जेटली ही नहीं पूरा हाउस रखेगा। ...(व्यवधान)...अरूण जेटली ही क्यों, कोई भी बोल सकता है। ...(व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरी: क्या लीडर ऑफ दि अपोजिशन ने पूरी बात नहीं बोली है? ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: प्राइम मिनिस्टर बोलना चाहते हैं । ...(व्यवधान)... एक बार प्राइम मिनिस्टर को बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)...ठीक है, आप नहीं बोलेंगे। ...(व्यवधान)...मतलब क्या है? ...(व्यवधान)...मुझे केवल लीडर आफ दि अपोजिशन श्री जसवन्त सिंह जी का नोटिस मिला है। ...(व्यवधान)...आप सुनिए। ...(व्यवधान)...आप बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)...आप बीच में बोल रहे हैं। ...(व्यवधान)... माननीय सदस्य, यह उचित नहीं है। मैं खड़ा हूं और बोल रहा हूं। आप यहां बोल रहे हैं। यह बिल्कुल उचित नहीं है। ...(व्यवधान)...इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि प्राइम मिनिस्टर को सुनने दीजिए। ...(व्यवधान)...क्या इस पर पूरी डिबेट होगी? ...(व्यवधान)...क्या इस पर डिबट होगी? ...(व्यवधान)...नहीं-नहीं वह दूसरी बात है ...(व्यवधान)...वह तो जनरल डिबेट थी, जिसके ऊपर ...(व्यवधान)...सदन की कार्यवाही 12.00 तक स्थगित की जाती है।

The House then adjourned at nineteen minutes past eleven of the clock till twelve of the clock.

The House reassembled at twelve of the clock,
MR. DEPUTY CHAIRMAN in the chair :